



बरगी बांध के 9 गेट खुले, नर्मदा का जलस्तर बढ़ा

हरिभूमि, जबलपुर।

इस सीजन में पहली बार बरगी बांध के 9 गेट जल क्षमता को नियंत्रित रखने समय से पहले खोलने पड़े. रविवार दोपहर 12 बजे बरगी बांध के 9 गेटों से 52 हजार 195 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद नर्मदा के जल स्तर में उफान आ गया. नर्मदा नदी का जल स्तर पहले ही बढ़ चुका था, बांध के गेट खुलने के बाद 4 से 5 फुट जल स्तर और बढ़ गया. ग्वारीघाट, तिलवारा, भेड़ाघाट के सभी तट जल मग्न हो गये. पिछले 5 दिनों से बरगी बांध के जल भराव क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश खासकर मंडला डिंडोरी में अनवरत बारिश से जहां एक तरफ नर्मदा नदी का जल स्तर बढ़ गया था, वहीं बरगी बांध में तेजी से जल प्रवेश कर रहा था।

रविवार को बरगी बांध के गेट खुलने के बाद बारिश के बीच बड़ी संख्या में सैलानी बरगी बांध और नर्मदा के तटों पर बाढ़ के दृश्यों को देखने पहुंचे। रानी अर्वात बाई लोधी सागर परियोजना बरगी बांध के कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह गौड़ ने बताया की जलस्तर को नियंत्रित करने इस सीजन में पहली बार रविवार को दोपहर लगभग 12 बजे इसके 21 में से 9 स्पिल-वे गेट औसतन 1.33 मीटर की ऊंचाई तक खोल दिये गये हैं और इनसे 52 हजार 195 क्यूसेक (घनफुट पानी प्रति सेकंड) पानी छोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि 9 गेट में से गेट नम्बर दस, ग्यारह और बारह को दो-

बाढ़ का दृश्य देखने बरसते पानी में पहुंचे सैलानी, सतर्कता की अपील

दो मीटर, गेट नम्बर नौ और तेरह को डेढ़-डेढ़ मीटर, गेट नम्बर आठ और चौदह को एक-एक मीटर तथा गेट नम्बर सात और पंद्रह को आधा-आधा मीटर की ऊंचाई तक खोला गया है। उन्होंने बताया कि बांध में आवक को देखते हुये कभी भी इससे पानी निकासी की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है।

डूब क्षेत्र से दूर रहने की अपील

कार्यपालन यंत्री बरगी बांध के मुताबिक रविवार को दोपहर ग्यारह बजे बांध का जल स्तर 417.40 मीटर रिकार्ड किया गया था और इस समय इसमें लगभग 98 हजार 741 क्यूसेक पानी प्रवेश

कर रहा था। उन्होंने बांध के निचले क्षेत्र के निवासियों से नर्मदा तट से सुरक्षित दूरी बनाये रखने तथा डूब क्षेत्र में प्रवेश न करने की अपील करते हुये बताया कि बांध से पानी छोड़ने से नर्मदा नदी का जलस्तर चार से पांच फुट तक बढ़ सकता है।

417.50 मीटर पर पहुंचा जल स्तर

बरगी बांध का पूर्ण जल भराव स्तर 422.76 मीटर है और ऑपरेशनल मैनुयल के अनुसार 31 जुलाई तक इसका जलस्तर 417.50 मीटर रखा जाना प्रस्तावित है। इस साल बारिश अच्छी होने से बांध का जलस्तर आपरेशनल मैनुयल के उपर पहुंच गया है। लिहाजा जिससे 31 जुलाई के पहले ही बांध के गेट खोलने का निर्णय लिया गया है।

लम्बे समय बाद आषाढ़ में सावन सी झड़ी लगी

जनजीवन प्रभावित, अगले 24 घंटे में भारी बारिश की संभावना

भारी बारिश के कारण आज और कल स्कूलों में अवकाश घोषित

हरिभूमि, जबलपुर।

पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर बने हवा के कम दबाव वाले क्षेत्र के कारण मानसून सक्रिय है। शनिवार रात तीन बजे से शुरू हुई बारिश की झड़ी रविवार को देर रात तक लगी रही, मध्यम गति से रिमडिम बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया. रविवार अवकाश दिवस होने के कारण बाजारों में दिखने वाली चहल पहल नदारद रही। बारिश की वजह से मोहरम का जुलूस भी प्रभावित हुआ। चारों ओर हो रही बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान करीब 1.5 इंच बारिश के बाद कुल वर्षा का आंकड़ा 16 इंच पर पहुंच गया। लम्बे समय बाद आषाढ़ के महीने में सावन सी झड़ी देखने को मिली है। उधर मौसम विभाग ने चेतावनी दी है की अगले 48 घंटों के दौरान भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है। अनवरत वर्षा की वजह से कई निचले इलाकों में पानी भर गया, वहीं विद्युत की शिकायतें भी बढ़ गई हैं। बारिश होने से तापमान अपनी हद में आ गया है। लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की। अगले 24 घंटों के दौरान जबलपुर सहित संभाग के अनेक स्थानों में वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम



तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 7 डिग्री कम दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 95 प्रतिशत और सायंकाल 98 प्रतिशत

आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.31 बजे और सूर्यास्त 7.0 बजे हुआ। दक्षिण पश्चिमी हवायें 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफतार से चलें। पिछले 24 घंटों के दौरान 38.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से आज तक कुल वर्षा

387.2 मिमी (16 इंच) पर पहुंच चुकी है। जबकि गत वर्ष आज के दिन 2.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी, वहीं कुल वर्षा 218.2 मिमी दर्ज की जा चुकी थी। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर वर्षा के आसार हैं।

जबलपुर। जिले में लगातार हो रही बारिश और आगामी 48 घंटों के भीतर अत्यधिक वर्षा की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने ऐहतियातन कदम उठाते हुए स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की है। कलेक्टर दीपक सक्सेना द्वारा शनिवार को जारी आदेश के अनुसार, 7 और 8 जुलाई को जबलपुर जिले की सभी शासकीय और अशासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह छुट्टी सभी विद्यार्थियों के लिए रहेगी, और इसका प्रभाव जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई और

नवोदय विद्यालयों पर समान रूप से लागू होगा। कलेक्टर ने यह निर्णय मौसम विभाग द्वारा जारी भारी वर्षा की चेतावनी और बच्चों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए लिया है। गौरतलब है की जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों में बीते दो दिनों से लगातार तेज बारिश हो रही है, जिससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। आगामी दो दिन और भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है, जिससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है। इसी के मद्देनजर जिला प्रशासन ने यह फैसला लिया है ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

कलेक्टर ने जारी किया आदेश



जिला साहू समाज ने आयोजित किया शिवनाथ साहू मार्ग का लोकार्पण कार्यक्रम

जबलपुर। जिला साहू समाज जबलपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रानीताल से गढ़ाफाटक मार्ग का लोकार्पण जगत बहादुर सिंह महापौर, प्रभात साहू, पूर्व महापौर एवं पूर्व विधायक विनय सक्सेना द्वारा 05.07.2025 को किया गया। कार्यक्रम में राधे श्याम साहू, अध्यक्ष साहू वैश्य नगर सभा, जिला साहू समाज अध्यक्ष उदयभान साहू, वीरेंद्र साहू, सचिव जिला साहू समाज, सुधीर साहू, सचिव, श्री साहू वैश्य नगर सभा, उपाध्यक्ष डीके साहू, रजनी साहू एमआईसी सदस्य, सुबोध साहू पूर्व पार्षद, रवि साहू, राहुल साहू पार्षद, उमेश साहू ओज, राष्ट्रीय सचिव अ.भा. तैलिक साहू महासभा, चौधरी मुकेश साहू अध्यक्ष बात्रो साहू समाज, कैलाश साहू, नगर भाजपा उपाध्यक्ष, रमेश साहू प्रयास, अर्जुन साहू एडवोकेट, कैलाश साहू पीएचई, तेजी लाल साहू, गगन साहू, भोला साहू, राज साहू, धीरज साहू, मोनू साहू, बीपी साहू, इंजी. सीपी साहू, शिवनारायण साहू, राकेश साहू, सतीश साहू, अशोक साहू गंगानगर, डॉ. दीपक साहू, राजकुमार साहू, आनंद साहू, राजेश साहू, विनोद साहू रांडी, विनोद साहू, गढ़ा, अंकुर साहू, दीपक साहू, योगेंद्र साहू, सरजू साहू, कांग्रेस पार्टी से पूर्व नगर अध्यक्ष दिनेश यादव, झल्लेलाल जैन, डॉ. अरविंद जैन, मुकेश राठी, पूर्व विधायक कोशल्या गौटिया, साहू महिला मंडल से आभा साहू, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा. तैलिक साहू महासभा, ब्रह्मा साहू, रानी साहू, नम्रता साहू, उलका साहू, वर्षा साहू, इन्दु गोल्लानी, एकता साहू, डॉ. सीता साहू, डॉ. सीमा साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए आयोजित की चित्रकला प्रतियोगिता एवं पौधारोपण कार्यक्रम

जबलपुर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के आह्वान पर महाकौशल विध्य रीजन के तत्वावधान में एलजा नर्सरी स्कूल में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से एक विशेष चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 05 जुलाई को किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने चित्रों के माध्यम से यह संदेश दिया कि प्रकृति और पर्यावरण को कैसे संरक्षित रखा जा सकता है। बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर न केवल रचनात्मकता से भरपूर थे, बल्कि उनमें जागरूकता का स्पष्ट संदेश भी था। प्रतियोगिता के समापन पर प्रथम,



द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को शानदार उपहार प्रदान किए गए। साथ ही सभी प्रतिभागियों और विद्यालय स्टाफ को मिठाई वितरित की गई। यह वितरण डॉ. दीपक जैन की पुण्यतिथि के अवसर पर कार्याध्यक्ष प्रदीप सुनीता लक्ष्मी द्वारा किया गया। इसी क्रम में यादव कॉलोनी स्थित उद्यान में एक विशाल पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर रीजन के कई गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिकायतकर्ता की खोज कर साधने में जुटा पूरा अमला

राजधानी तक पहुंची शिकायत से आबकारी विभाग में हड़कंप

जबलपुर।

आबकारी विभाग के वर्तमान सत्र को लेकर आबकारी विभाग के अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों की स्थिति उगलत निगलत पीर घनेरी जैसी हो गई है। नया सत्र वैसे तो एक अप्रैल से चालू हुआ था लेकिन तब से लेकर आज की तारीख तक किसी न किसी मामले को लेकर जिले का आबकारी विभाग सुर्खियां में बना हुआ है। कभी शराब की ओवर रेंटिंग, कभी कलेक्टर द्वारा गुप्त रूप से चलाए गए रिस्टिंग ऑपरेशन, कभी हाई कोर्ट में दायर जनहित याचिका में संबंधित अधिकारियों से नोटिस देकर जवाब तलब करने के मामले को लेकर तो कभी शराब ठेकेदारों और आबकारी विभाग के बड़े साहब के बीच तनातनी की खबरों के कारण जिले का आबकारी विभाग जबलपुर में ही नहीं प्रदेश में भी सुर्खियां बन चुका है। अब सूत्रों

के हवाले से एक नई खबर सामने आई है जिसमें बताया जा रहा है कि संस्कारधानी के किसी रसूखदार शराब कारोबारी ने मामले की शिकायत राजधानी भोपाल तक पहुंचा दी है। यही नहीं विभागीय सूत्रों के अनुसार ऊपर बैठे अधिकारियों ने इस शिकायत को गंभीरता से लेकर पड़ताल शुरू कर दी है। जब से इस बात की भनक स्थानीय आबकारी अधिकारियों को लगी है तभी से विभाग में हड़कंप की स्थिति निर्मित है। अपने स्तर पर आबकारी विभाग के लोग यह पता करने में लगे हैं कि आखिर यह शिकायत किसने की है। पता चला है कि शिकायत के संबंध में आबकारी मुख्यालय ग्वालियर या भोपाल से कोई टीम आकर शिकायतकर्ता के बयान आदि भी लेने वाली है इसलिए स्थानीय आबकारी विभाग के लोग फूंक फूंक कर कदम रख रहे हैं। बताया तो यहां तक जा रहा है कि इस पूरे मामले को लेकर विभाग के ही दो

वरिष्ठ अधिकारियों के बीच तनातनी भी चल रही है। जिले में जो विभाग के मुखिया हैं उनके एक चहेते अधिकारी के द्वारा शहर और जिले के एक-एक ठेकेदार से संपर्क कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह शिकायत उन्होंने तो नहीं की है। और यदि की है तो जब वरिष्ठ अधिकारी बयान लेने के लिए आए तो बयान सोच समझ कर देना हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है की ऊपर तक यह शिकायत किसने की है।

और इस तरह बिगड़ गई जमी जमाई व्यवस्था

विभागीय सूत्रों के मुताबिक जिस समय शराब दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया चल रही थी उसी बीच यहां पर एक वरिष्ठ अधिकारी को लाकर बतौर मुखिया बैठाया गया था। शराब दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद साहब ने बकायदा शराब ठेकेदारों को

बुलाकर एक मीटिंग भी की थी और इस मीटिंग में ठेकेदारों को स्पष्ट हिदायत दी गई थी कि जिले की शराब दुकानों का संचालन उनके द्वारा बनाए गए सिस्टम के आधार पर यानि जमी जमाई व्यवस्था से ही होगा। सही मायने में यह नया सिस्टम आधारित था ठेकेदारों से विभाग के अधिकारियों को मिलने वाला नजराना जिसे सुविधा शुल्क भी कहा जाता है। सही मायने में यह था कि तुम भी कमाओ और हमारा भी ध्यान रखो लेकिन बीच में कुछ ऐसी परिस्थितियों बनीं की सब का सब पूरी जमी जमाई व्यवस्था ही डगमगा गई। इसी पूरी जमी जमाई व्यवस्था के कारण ही शहर में शुरुआती दौर में जिस तरह से शराब की ओवर रेंटिंग हुई वह बड़ा कारण विभाग के लिए गले की फांस बन गई। न जाने कितने वीडियो वायरल हुए न जाने कितनी शिकायत सामने आई और न जाने क्या-क्या हुआ।

धरती की वो रहस्यमयी झील, जिसके अंदर से निकलती हैं सड़कें

पोर्ट ऑफ स्पेन। दुनिया में ऐसी कई अनोखी चीजें हैं जिनके बारे में लोगों को पूरी तरह जानकारी नहीं होती है। इस वजह से ये रहस्यमयी बन जाती हैं। ऐसी ही एक रहस्यमयी झील हमारी धरती पर है, जिसके अंदर से सड़कें निकलती हैं। सड़कें इस वजह से क्योंकि ये झील डामर से बनी है और इसके डामर से दुनिया के कई हिस्सों में रोड बनाई गई हैं। इस वजह से लोग इस झील को आठवां अजूबा मानते हैं। ट्रिनिदाद के दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित ला ब्रीया पिच लेक को स्थानीय लोग प्यार से 'दुनिया का आठवां अजूबा' कहते हैं। यह झील न केवल अद्भुत है, बल्कि आज भी विज्ञान के लिए एक रहस्य बनी हुई है। यह झील दुनिया की सबसे बड़ी प्राकृतिक डामर की खदान है और इसका क्षेत्रफल लगभग 109 एकड़ है। दुनिया में ऐसी केवल तीन ही जगहें ज्ञात हैं, और ला ब्रीया उनमें से सबसे विशाल है। इसमें लगभग एक करोड़ टन प्राकृतिक डामर भंडारित है।

लोग बताते हैं रहस्यमयी

दूर से देखने पर यह झील किसी विशाल, काले पार्किंग लॉट जैसी दिखती है, लेकिन पास से देखने पर यह काली मिट्टी जैसी उबड़-खाबड़ और लहरदार सतह प्रतीत होती है। बरसात के मौसम में झील की सतह पर छोटे-छोटे जलकुंड बन जाते हैं, जिनमें लोग नहाते हैं। इन जलकुंडों में सल्फर की मात्रा अधिक होती है, और स्थानीय लोग मानते हैं कि ये 'जीवनदायिनी फव्वारे' हैं, जो त्वचा की समस्याओं से लेकर जोड़ों के दर्द तक में लाभकारी होते हैं। 1595 में ब्रिटिश खोजकर्ता सर वाल्टर रैले ने इस झील की खोज की थी, जब वह एल डोराडो की तलाश में थे।



झील ने निकलता है डामर

हाल ही में यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी से जुड़े एक अध्ययन में यह चौकाने वाली खोज हुई कि झील की सतह के नीचे सूक्ष्मजीव जीवित हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये सूक्ष्मजीव यह जानने में मदद कर सकते हैं कि क्या किसी अन्य ग्रह पर जीवन संभव है। यहां से निकले वाले डामर का उपयोग दुनिया के कई प्रसिद्ध स्थानों पर किया गया है। बकिंघम पैलेस (इंग्लैंड) के सामने की सड़क, ला गार्डिया एयरपोर्ट (न्यूयॉर्क), और लिंकन टनल (जो न्यूयॉर्क को न्यू जर्सी से जोड़ता है) सभी में यहां का डामर उपयोग हुआ है। इसके अलावा कई देशों की सड़कों पर भी इसका उपयोग हुआ है।

संजोए हुए हैं अवशेषों को

हालांकि, 1792 में स्पेनियों ने सबसे पहले यहां से डामर को शुद्ध करना शुरू किया और इसे नाम दिया 'पिच की धरती', जो कालांतर में ला ब्रीया बना। स्थानीय अमेरिकियन समुदाय इस झील को देवताओं का प्रकोप मानते थे। एक कठाली के अनुसार, एक बार एक जनजाति ने हमिंगबर्ड (जिसे पूर्णतः की आत्माएं माना जाता था) खा लीं। इसके कारण पूरी जनजाति इस झील में समा गई। यहां खुदाई में कई पुरातात्विक अवशेष मिले हैं, जैसे एक जानवर की आकृति में तराशी गई लकड़ी की बेंब (जिस पर कारीगर का नाम आज भी स्पष्ट है)। यहां का म्यूजियम इन अवशेषों को संजोए हुए है।

रोचक खबरें

7 बार मौत के मुंह में जाकर लौटी महिला उन हादसों ने बदल दी जिंदगी!



क्या-क्या हुआ शोना को

शोना को मिनी-स्ट्रोक हुआ, उनके हार्ट में छेद था, एक बार बाइक एक्सीडेंट में उनकी जान खतर में थी। इतना ही नहीं कैन्सर ने भी उन्हें परेशान किया। यहां तक कि कोविड, निमोनिया, और बैक्टीरियल मेनिंजाइटिस भी उन्हें हुआ। और तो और एक बार उनका दिमाग सूज गया। उन्हें कोमा में डालना पड़ा। लेकिन, ये अनुभवों ने शोना को बदला। शोना अब मौत से नहीं डरती। वह कहती है, 'मौत से डरती नहीं।' बाइक एक्सीडेंट के दो साल बाद उन्हें कैन्सर हुआ।

लंदन। कहते हैं, 'जाको राखे सांझा मार सके ना कोए।' इस कहावत को याद करते हुए कई लोग कहते हैं कि मरना बचना इंसान के हाथ में नहीं होता है। जिसके मरना होता है, वह पल भर में बिना किसी बीमारी या हादसे के भी मर सकता है और जिसे बचना होता है, उसे कितनी भी बड़ी से बड़ी बीमारी हो जाए, उसे कोई नहीं मार सकता है। शोना हिरोस एक ऐसी महिला हैं, जो सात बार मौत के करीब पहुंची हैं। उनकी मेडिकल हिस्ट्री में कई बड़े हादसे हैं। लेकिन, आज वे ना केवल जीवित हैं, बल्कि सेहतमंद हैं और जीवन में बहुत सकारात्मक हैं। उनका कहना है कि पिछले अनुभवों से उन्होंने काफी कुछ सीखा है। अस्पताल में पहुंचने के बाद शोना कोमा में चली गईं। दो हफ्ते बाद जब वह होश में आईं, तो उन्हें लगा कि सिर्फ अंगुली टूटी है। लेकिन, उनका चेहरा बुरी तरह टूट गया था। उन्हें 20% ही जीने का चांस बताया गया। फिर कैन्सर हुआ। शोना ने कहा, 'मुझे समझ आया कि मैंने दूसरा मौका पाया है।' उन्होंने तनाव कम किया। कैन्सर का इलाज कराया। आठ महीने बाद वह ठीक हो गईं। 2024 में उन्हें कोविड, निमोनिया, और बैक्टीरियल मेनिंजाइटिस हुआ। शोना ने कहा, 'मैं अब किसी से भी नहीं डरती।'

होनी या अनहोनी, सफेद कौआ दिखने के क्या हैं संकेत? काले वाले तो इनसे बनाकर रखते दूरी!

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में इन दिनों एक अजीब और दुर्लभ प्राकृतिक घटना चर्चा का विषय बनी हुई है। सुबह-सुबह लगभग साढ़े सात बजे पंधाना से अरुड़ की ओर जा रहे स्थानीय निवासी सुमित गुर्जर ने एक ऐसा दृश्य देखा, जिसे देखकर हर कोई चौंक गया। उन्होंने एक ऐसा कौआ देखा जिसका रंग पूरी तरह सफेद था। यह कोई आम पक्षी नहीं था, बल्कि वही कौआ जिसकी आमतौर पर पहचान काले रंग से होती है। कौआ भारत में आमतौर पर पाया जाने वाला पक्षी है, जो काले रंग के लिए जाना जाता है। लेकिन, जब यही पक्षी सफेद रंग में दिखाई दे तो यह न केवल दुर्लभ होता है, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी काफी अहम हो जाता है। इस घटना को देखकर ग्रामीण आश्चर्यचकित रह गए और इसे अपने मोबाइल में रिकॉर्ड भी किया गया। सफेद कौआ वास्तव में कोई अलग प्रजाति नहीं है, बल्कि यह किसी आनुवंशिक विकृति का परिणाम होता है। वैज्ञानिक भाषा में इसे एल्बिनिज्म या ल्यूसिज्म कहा जाता है। एल्बिनिज्म की स्थिति में शरीर में मेलैनिन नामक रंगद्रव्य की कमी हो जाती है, जिसके कारण त्वचा, बाल, पंख और आंखों का रंग सफेद या गुलाबी दिखाई देता है। वहीं, ल्यूसिज्म में पंख तो सफेद हो जाते हैं, लेकिन आंखें सामान्य रंग की ही रहती हैं।



रिपोर्ट भी किया गया। सफेद कौआ वास्तव में कोई अलग प्रजाति नहीं है, बल्कि यह किसी आनुवंशिक विकृति का परिणाम होता है। वैज्ञानिक भाषा में इसे एल्बिनिज्म या ल्यूसिज्म कहा जाता है। एल्बिनिज्म की स्थिति में शरीर में मेलैनिन नामक रंगद्रव्य की कमी हो जाती है, जिसके कारण त्वचा, बाल, पंख और आंखों का रंग सफेद या गुलाबी दिखाई देता है। वहीं, ल्यूसिज्म में पंख तो सफेद हो जाते हैं, लेकिन आंखें सामान्य रंग की ही रहती हैं।

खोज वैज्ञानिकों को मिला नया सुपर अर्थ हमारे ग्रह से दोगुना है साइज

एजेसी ►► वॉशिंगटन

रिसर्च करने वाली टीम ने नासा के ट्रान्सिट एक्सप्लेनेट सर्वे सैटेलाइट का उपयोग करते हुए ये नया ग्रह खोजा है। शोधकर्ताओं ने इस नए ग्रह का नाम टीओआई-1846 बी रखा है। टीओआई-1846 बी की खोज करने वाली टीम का मानना है कि यह ग्रह 7.2 अरब साल पुराना है और इस पर पानी का बड़ा भंडार मिल सकता है। टीओआई-1846 बी पृथ्वी से करीब 154 प्रकाश वर्ष दूर है। यह हमारे ग्रह यानी पृथ्वी से तकरीबन दोगुना बड़ा और चार गुना से भी ज्यादा भारी है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस एक्सप्लेनेट की त्रिज्या पृथ्वी की त्रिज्या से 1.792 गुना है और यह पृथ्वी से 4.4 गुना अधिक भारी है।

पृथ्वी के अलावा किसी किसी दूसरे ग्रह पर पानी खोजने का वैज्ञानिकों का लंबा इंतजार खत्म हो सकता है। खगोलविदों ने एक नए ग्रह की खोज की है, जिसे पानी से भरपूर माना जा रहा है। इस 'सुपर-अर्थ' को मोरक्को के औकाइमेडेन लैब के अब्दुरहमान साबकिउ के नेतृत्व में खगोलविदों की टीम ने खोजा है।



इस साल दूसरे सुपर अर्थ की खोज

इस साल की शुरुआत में वैज्ञानिकों ने एचडी 20794 डी नाम का एक और सुपर-अर्थ खोजा था, जो पृथ्वी से छह गुना ज्यादा भारी है। इस ग्रह की सतह पर भी पानी होने का अनुमान है। यह पृथ्वी से 20 प्रकाश वर्ष दूर है और पृथ्वी के सूर्य की परिक्रमा करने के समान ही एक तारे के चारों ओर घूमता है। हालांकि पृथ्वी की तरह इसका ऑर्बिट गोल नहीं है। ऐसे में यह कहना काफी मुश्किल है कि इस ग्रह पर जीवन संभव हो सकता है।



यहां एक साल चार दिन जितना

रिसर्च कहती है कि टीओआई-1846 बी हर 3.93 दिनों में अपने उपग्रह की परिक्रमा करता है यानी इसका एक साल सिर्फ चार दिन का होता है। इस ग्रह का तापमान 568.1 के (295C) होने का अनुमान है। वैज्ञानिकों ने टीओआई-1846 बी की पुष्टि के लिए टैस के अलावा ग्राउंड बेस्ड कलर फोटोग्राफी, हाई रिजॉल्यूशन इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपिक का इस्तेमाल किया है। हालांकि इसकी सही जानकारी के लिए अभी और रिसर्च की जरूरत है। वैज्ञानिकों ने कहा कि टीओआई-1846 बी की संरचना जानने के लिए रडियल वेलोसिटी का इस्तेमाल किया जाएगा। आरवों के माध्यम से बेहतर तरीके से यह पता किया जा सकेगा कि ग्रह पर पानी की मौजूदगी है या नहीं है।

गीजा के पिरामिड को एक लाख गुलामों ने नहीं बनाया था



काहिरा। दुनिया के सात अजूबों में एक गीजा के पिरामिड को किसने बनवाया, इस पर कई तरह के दावे रहे हैं। इनके बारे में सबसे मजबूत दावा यह है कि गीजा के पिरामिड का निर्माण गुलामों के जरिए किया गया था। प्राचीन ग्रीक स्रोतों के आधार पर ये दावा किया जाता है कि करीब एक लाख गुलामों के हाथों से पिरामिड बने थे। इस पुरानी धारणा को नई रिसर्च ने खारिज कर दिया है। पुरातत्वविदों की इस महत्वपूर्ण खोज से 4,500 साल पहले बने दुनिया के इस अजूबे के असली निर्माताओं की पुष्टि हुई है। पिरामिड के अंदर मिली कुछ कब्रों के आधार पर खोज की गई है। डॉक्टर जाही हवास और उनकी टीम के नेतृत्व में की गई खोज से पता चलता है कि प्राचीन दुनिया के इस अजूबे (गीजा के पिरामिडों) का निर्माण 1,00,000 गुलामों ने नहीं, बल्कि कुशल वेतनभोगी श्रमिकों ने किया था। ये सभी कुशल मजदूर और इंजीनियर एक सख्त शासन के तहत काम कर रहे थे। पुरातत्वविदों को पिरामिड के दक्षिण में कुछ कब्रें मिली हैं, जिनमें मजदूरों के औजार और मूर्तियां हैं। ये पत्थर के विशाल ब्लॉकों को यहां लाकर लगाने का संकेत देती हैं। चूने पत्थर को 1,000 फीट की दूरी से मलबे और मिट्टी से बने रैप सिस्टम के सहारे इमारत तक लाया गया।

सम्मान गुलामों को लिए संभव ही नहीं था

डॉक्टर जाही हवास ने मैन बताया कि उनकी खोज के निष्कर्षों से पुष्टि होती है कि गीजा के पिरामिड बनाने वाले गुलाम नहीं थे। अगर वे गुलाम होते तो उन्हें पिरामिडों के बनाने में कमी नहीं देफनाया जाता। इनकी कब्रों में ना सिर्फ इनके औजारों को रखा गया, बल्कि इनके नाम भी खुदाए गए। ये इनके प्रति शासन की ओर से दिखाए गए सम्मान को दर्शाते हैं। यह सम्मान गुलामों को लिए संभव ही नहीं था।

गर्मी से बचने लोगों ने निकाला अनूठा उपाय, जमीन के नीचे बनाए घर!



रम मौसम की मार से बचने के लिए इंसान बहुत उपाय कर सकते हैं। लेकिन, हर किसी के लिए तमाम उपाय अपनाना संभव नहीं। लेकिन, गरीब लोग भी कम उपाय नहीं करते हैं। पहनावे से लेकर धूप और गर्म हवा को रोकने के तरह-तरह के उपाय किए जाते हैं। वहीं, घर की ठंडक के लिए भी कोशिशें होती हैं पर ऑस्ट्रेलिया के कोबर पेडी एक अनोखा शहर है। यहां 55 डिग्री सेल्सियस की गर्मी से बचने के लिए लोग जमीन के नीचे रहते हैं। एक 38 साल की महिला ने बताया है कि कैसे उनका परिवार जमीन के अंदर रह कर भी खुश है। जमीन के नीचे रहना सस्ता है। एडिलेड में घर 382,000 यानी 4 करोड़ 46 लाख

रुपए का है। सबरीना ने कहा, यहां कम खर्चा है। हीटिंग और कूलिंग की जरूरत नहीं। घर बनाने में समय लगता है। कुछ घर दो महीने में बन जाते हैं। सबरीना ने कहा, मैंने लोगों को 10 साल तक खुदते देखा है। जमीन के नीचे रहने का फायदा शांति है। सबरीना ने कहा, बाहर का शोर नहीं। उन्होंने कहा, रात को पूरी तरह अंधेरा और शांति। नौद अच्छी आती है।

पहाड़ी के अंदर है घर

सबरीना ट्रेडिंसी मूल रूप से जर्मनी की हैं। अब वे कोबर पेडी में रहती हैं। उनके परिवार में उनके पति निक 14 साल का बेटा थॉमस, 14 और 13 साल की बेटे लीया हैं। उनका घर \$277,000 यानी 2 करोड़ 37 लाख रुपए का है। जो एक पहाड़ी में बना है। और पहाड़ी की सतह के चार मीटर नीचे है। इसमें दो लिटिंग रूम, दो बाथरूम, और एक पूल है। घर में इंडोर और आउटडोर स्पा भी है। सबरीना का ऑफिस और जीवें हैं। सबरीना ऑफिस मैनेजर हैं। वे उम्मा ऑपल माइन और म्यूजियम में काम करती हैं। कोबर पेडी में 1,600 लोग रहते हैं। 60% लोग जमीन के नीचे रहते हैं। जमीन के नीचे के घर डगआउट कहलाते हैं। ये सैंडस्टोन से बने हैं। सबरीना जर्मनी में वाइल्डकेयर एजुकएटर थीं। ऑस्ट्रेलिया में गेप इन्टर के दौरान निक से मिलीं। निक उनका दूर ग्राइड थे। दोनों प्यार में पड़ गए। 2013 में कोबर पेडी में बस गए। सबरीना ने कहा, 'हमारे बेस्ट यहां थे। हमें यहां का माहौल पसंद आया।'

रिसर्च मेडिकल क्षेत्र में क्रान्ति लाएगी नई रिसर्च, दुबई की सेंट्रल वेटरनरी रिसर्च लेबोरेटरी के शोध में भी ऊंट के आंसुओं की अद्भुत क्षमताओं पर प्रकाश डाला

सबसे कीमती आंसू, 26 सांपों के जहर का इलाज है ऊंट के आंसू की एक बूंद

एजेसी ►► गबोरोन

रेंगिस्तानी इलाकों के लिए बेहद उपयोगी जानवर माना जाने वाले ऊंट की वजह से मेडिकल क्षेत्र में क्रान्ति हो सकती है। एक नई रिसर्च कहती है कि ऊंट का आंसू सांप के काटने का रामबाण इलाज हो सकता है। बीकानेर स्थित नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन कैमल के अध्ययन में पाया गया है कि ऊंट के आंसुओं में पाए जाने वाले एंटीबॉडी 26 सांपों के जहर को निष्क्रिय कर सकते हैं। यह अध्ययन सांप के काटने के इलाज के लिए नया रास्ता खोल सकता है। लिवरपूल स्कूल ऑफ ट्राॅपिकल मेडिसीन के स्नैकबाइट रिसर्च सेंटर ने भी पाया था कि सांप के काटने की दवाई के लिए ऊंट का आंसू कारगर हो सकता है। इससे पहले दुबई की सेंट्रल वेटरनरी रिसर्च लेबोरेटरी के शोध में भी ऊंट के आंसुओं की अद्भुत क्षमताओं पर प्रकाश डाला गया था। इन क्षमताओं की वजह से ऊंट के आंसू की कीमत काफी ज्यादा होती है। ये कीमत अब और ज्यादा बढ़ सकती है।

रिसर्च में मिली सफलता

एनआरसीसी के वैज्ञानिकों का कहना है कि ऊंट के आंसू सांप के जहर को बेअसर करने में सक्षम हैं। एनआरसीसी शोधकर्ताओं ने ऊंटों के आंसू से सॉस्केल्ड वाइपर के जहर का इलाज करने में कामयाबी पाई है। यह सांपों की विषैली प्रजाति है। इस सांप के काटने बाद किसी की जान बचना मुश्किल माना जाता है। ऊंट के आंसुओं से निकाले गए एंटीबॉडी को जहर के घातक प्रभावों को बेअसर करने में सफलता मिली है।



बनाई जा सकती हैं असरदार दवाएं

शोधकर्ताओं का कहना है कि ऊंट के आंसुओं में विशेष प्रकार के एंटीडोट होते हैं, जो सांप के जहर के खिलाफ बेहद प्रभावी होते हैं। ऐसे में ऊंट के आंसू से सांप के जहर के इलाज के लिए असरदार दवाएं बनाई जा सकती हैं। इस तरह की दवा भारत समेत उन देशों के लिए बड़ी राहत ला सकती है, जहां हर साल सांप के काटने से हजारों की संख्या में मौतें होती हैं।

कई तरह के पाए जाते हैं प्रोटीन

एक्सपर्ट का कहना है कि ऊंट के आंसुओं की ऊंची कीमत की वजह इनमें सांप के काटने के इलाज की संभावना के अलावा कई तरह के प्रोटीन भी पाए जाते हैं। यही प्रोटीन ऊंट को रेंगिस्तान के मुश्किल वातावरण में संक्रमणों से बचाकर जीवित रहने में मदद करता है। ऊंट के आंसुओं में लाइसोजाइम नाम का एंजाइम भी होता है। लाइसोजाइम को प्राकृतिक एंटीबायोटिक माना जाता है।

देवशयनी एकादशी से चातुर्मास प्रारंभ

आज से 4 महीने तक शुभ कार्यों पर विराम

जबलपुर।

देवशयनी एकादशी 6 जुलाई से भगवान श्री हरि विष्णु सिद्धि योग में चार माह के लिये शयन पर जाएंगे। देवशयनी एकादशी रविवार 6 जुलाई को मनाई गई। इसके साथ ही मांगलिक कार्यों पर विराम लग गया। विवाह, यज्ञोपवीत संस्कार, गृह-प्रवेश जैसे शुभ कार्य नहीं होंगे। साधु-संत एक स्थान पर रुक कर जप-तप और साधना में जुटेंगे। 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी सुबह 11 बजे से लग गई है। इसके साथ ही दिवस पर्यंत सर्वाथ सिद्धि योग रहेगा। सर्वाथ सिद्धि योग में भगवान का शयन मंगलकारी माना जाता है। चातुर्मास 108 दिन का होता है। इसमें सामान्यतः आषाढ़ के पांच दिन, श्रावण के 30, भाद्रपद के 30, अश्विनी के 30 दिन और कार्तिक मास के 11 दिन होते हैं। इस तरह चंद्रमास के हिसाब से 106 और सौर मास के मुताबिक 108 दिन होते हैं। ज्योतिर्विद् पी.एल. गौतमचार्य के अनुसार चार



मास के दौरान शिव, कृष्ण, गणपति, दुर्गा और सूर्य की आराधना की जाती है।

साधु, संत, सन्यासी और तपस्वी एक स्थान पर रुकते हैं। आषाढ़ मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस साल देवशयनी एकादशी कल 6 जुलाई के दिन मनाई गई। आज से चातुर्मास का आरंभ भी माना गया है, इसके अलावा देवशयनी एकादशी को हरिशयनी एकादशी पचनाभा व प्रबोधनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। सभी उपवासों में देवशयनी एकादशी व्रत श्रेष्ठतम कहा गया है। इस व्रत को करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं व सभी पापों का नाश होता है। इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा-अर्चना करने का महत्व है, क्योंकि इसी रात्रि से भगवान का शयन काल आरंभ हो जाता है जिसे चातुर्मास या चौमासा का प्रारंभ भी कहते हैं। देवशयनी एकादशी के चार माह के बाद भगवान विष्णु देवोत्थानी एकादशी के दिन जागते हैं। देवशयनी एकादशी प्रसिद्ध जगन्नाथ रथयात्रा के तुरंत बाद आती है और अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार देवशयनी एकादशी

का व्रत जन अथवा जुलाई के महीने में आता है। चतुर्मास जो कि हिन्दु कैलेंडर के अनुसार चार महीने का आत्मसंयम काल है, देवशयनी एकादशी से प्रारंभ हो जाता है। प्रत्येक वर्ष चौबीस एकादशियाँ होती हैं।

1 नवंबर देवउठनी से फिर शुरू हो सकेंगे शुभ कार्य

शादी विवाह जैसे शुभ कार्यों में लगा विराम चार महीने बाद 1 नवंबर से हट जाएगा। देवउठनी एकादशी का दिन भी विशेष रूप से विवाह के लिए मंगलकारी है। इस दिन चतुर्मास बाद भगवान विष्णु निद्रा से जागते हैं। इसलिए ये स्थिति अबूझ मुहूर्त मानी जाती है। इसी दिन से शुभ कार्यों के बंद दरवाजे खुलते हैं। 01 नवंबर शुभ कामों के लिए शुभ तिथि है।

भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर हुआ गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन, वामन और श्रीकृष्ण अवतार का जीवंत वर्णन

भक्त के पराधीन हैं भगवान : ब्रह्मचारी चैतन्यानंदजी

श्रद्धा, भक्ति और दिव्यता से सराबोर हुआ बलामुखी सिद्ध पीठ परिसर

हरिभूमि, जबलपुर।

बलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ, सिक्किम सेटर मठाल में चल रहे श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चतुर्थ दिवस की कथा में श्रद्धा, भक्ति और ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज ने अपने ओजस्वी और भावपूर्ण प्रवचनों के माध्यम से भक्तों को भगवान की भक्ति के गूढ़ रहस्यों से परिचित कराया। अपने प्रवचन की शुरुआत करते हुए ब्रह्मचारी जी ने कहा भगवान अपने सच्चे भक्त के वश में होते हैं। वह शरण में आए जीव का तारण करने सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने गजेन्द्र मोक्ष की कथा सुनाई और बताया कि हमारा अहंकार ही गज है। जब उसे मृत्यु रूपी ग्राह पकड़ता है, तब भगवान उसका उद्धार करते हैं। यह प्रसंग जीवन में विमर्शता और शरणगति का महत्व स्पष्ट करता है। इस अवसर पर शंकराचार्य गिरी जी महाराज, ब्रह्मचारी सुबोधनंद जी द्वारा व्यासपीठ एवं श्रीमद्भागवत का विधिवत पूजन किया गया।



से दूर करता है। जब यह अहंकार मृत्यु रूपी ग्राह द्वारा जकड़ लिया जाता है, तब ही प्राणी को प्रभु की सच्ची शरण की आवश्यकता समझ आती है।

समुद्र मंथन: संघर्ष में छिपा जीवन का अमृत
देवता और दानव, दोनों के मिलकर समुद्र मंथन करने की कथा ने यह संदेश दिया कि सच्चा अमृत वही है जो आत्ममंथन और संयम से प्राप्त हो। ब्रह्मचारी जी ने इसे आज की जीवन शैली से जोड़ते हुए कहा कि जब तक हम अपने भीतर की बुराइयों को बाहर नहीं निकालते, तब तक दिव्यता प्राप्त नहीं होती।

मत्स्य वामन अवतार: समर्पण का प्रतीक
मत्स्य अवतार के माध्यम से भगवान ने सत्यव्रत मनु को जीवन का पाठ पढ़ाया। वहीं वामन अवतार में बलि महाराज की भक्ति और समर्पण को सर्वोच्च स्थान दिया गया। तीन पण पृथ्वी मांगकर भगवान ने बलि का

सर्वस्व ले लिया नहीं, बल्कि उसे स्वयं प्रभु बना दिया, यह बताते हुए ब्रह्मचारी जी ने भक्ति के कर्म को उजागर किया।

विशिष्ट अतिथियों के साथ उमड़े श्रद्धालु
कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह, नगर भाजपा अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, नीता पटेल, पूर्व महापौर प्रभात साहू, अजय खंडेलवाल, प्रतीक्षा सिंह, हेमंत त्रिवा मिश्रा, गोविन्द प्रीति साहू, आरधना-आशीष चौकसे, राजेंद्र ममता मिश्रा, गीता अय्यर, अंजना शुक्ला, अखिल तिवारी, तुलसी अय्यर, पीयूष दुबे, सुनील गुप्ता, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, शुभम चौरसिया, रोहित साहू, राहुल मौर्य, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे, आशीष चौकसे, विनोद अरोरा, नवीन यादव, सोनू कुरेले, मनोज सेन, सतेंद्र अयाटी सहित चैकड़ों श्रद्धालु कथा श्रवण हेतु उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्मोत्सव: भक्ति में झूम उठा पूरा परिसर

जैसे ही कृष्ण जन्म का प्रसंग आया, पूरा पंडाल नंद के घर आनंद भयो... के भजनों से गूँज उठा। श्रद्धालुओं ने झूले सजाए, माखन-मिश्री से भोग लगाया, और आंसुओं से भीगी आंखों से लीलाओं का स्मरण किया। श्रद्धा, भक्ति और कथा रस से सराबोर यह आयोजन प्रतिदिन आध्यात्मिक वातावरण को और दिव्य बना रहा है।

श्रीराम-श्रीकृष्ण मर्यादा और प्रेम का महापाठ

ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज ने कहा कि श्रीराम, महाराज मनु और शतरूपा की तपस्या का फल था। भगवान ने चतुर्व्यूह स्वरूप में दशरथ के यहां अवतार लिया और धर्म की पुनः स्थापना की। वहीं कृष्ण जन्म की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि वसुदेव और देवकी से जन्म लेकर भगवान ने नंद-यशोदा के वात्सल्य को स्वीकार किया, जिससे प्रेम, सेवा और त्याग का महत्व उजागर हुआ।

पुण्य के संचय से मोक्ष मार्ग की यात्रा संभव

जबलपुर। श्री पिसनहारी तीर्थ में अपने प्रवास के दूसरे दिवस आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज संध में सुबह 8 बजे गिरते हल्के रिमझिम पानी के बीच महावीर मंदिर के दर्शन करते हुए प्रवचन पंडाल में प्रवेश किया। धर्म सभा का संचालन अमित पडरिया ने करते हुए, दीप प्रज्वलन व चित्र अनावरण पिसनहारी ट्रस्ट कमेटी के पदाधिकारियों, संजय अरिहंत महामंत्री, कैलाश जैन मट्टू मंत्री, कार्यकारणी सदस्य दिनेश चौधरी, राकेश चौधरी द्वारा एवं पाद प्रक्षालन सचिन जैन, बाबा बेटियां एवं प्रवीण अहमदाबाद द्वारा सम्पन्न करवाया गया, श्री फल एवं शास्त्र अर्पण, भारत सरकार की प्रिंसिपल सेक्रेट्री आईएस मोना के खंडार ने किया। तत्पश्चात मोना खंडार का अभिनंदन पिसनहारी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने किया। आचार्य श्री ने अपनी मंगल देशना में कहा कि "द्वय क्षेत्र काल भव एवं भाव में संयोजन होनी चाहिए भावों की निर्मलता से पूर्व पुण्य के संचय से मोक्ष मार्ग की यात्रा संभव है समस्त कार्यों का संपादन पुरुषार्थ के बैगर संभव नहीं, आपने स्पष्ट करते हुए कहा कि आपको जो जीवन मिलता है इतिहास बतलाता है वर्तमान में मोक्ष मार्ग के लिए जो सामग्री मिली है वह पर्याप्त नहीं मोक्ष प्राप्त करने के लिए और भी विशिष्ट सामग्री की आवश्यकता है उसके लिए आपको पुण्य संचय करना होगा" आचार्य श्री समय सागर जी आहार चर्या, पिसनहारी की मढिया स्थित व्रती आश्रम की बहनों एवं प्रतिभामंडल की दीदियों के चौके ब्राह्मी में निर-अंतराय सम्पन्न हुई। ट्रस्ट कमेटी के सुबोध कामरेड एवं संजय चौधरी ने बताया आचार्य 108 समय सागर जी का चतुर्मास जबलपुर में होना निश्चित हो गया है जिसके लिए आचार्य श्री संध दिनो 7 जुलाई को सुबह 7 बजे श्री पिसनहारी मढिया जी से गमन करेंगे एवं शाही नाका, संजीवनी नगर, अग्रवाल कॉलोनी मेन रोड से होकर जबलपुर नगर पहुंचेंगे। जहां प्रातः 7:30 बजे रानीताल चौक पर जबलपुर सकल जैन समाज नवयुवक सभा एवं महिला परिषद द्वारा भव्य अगवानी होगी एवं नवाचार्य समय सागर महाराज के मंगल प्रवचन प्रातः 8 बजे आचार्य विद्यासागर सभा भवन पुरानी चरहाई में होंगे एवं आहार चर्या-लाईर्गज स्वर्ण मंदिर में सम्पन्न करवाई जाएगी। ट्रस्ट कमेटी के राजेश राजू साईकिल एवं संरक्षणी सभा के सुधीर लक्ष्मी ने बताया कि नवाचार्य श्री 108 समयसागर जी महामुनिराज ससंध का चातुर्मास जबलपुर चरहाई स्थित आचार्य विद्यासागर सभा भवन में होने की पूरी संभावना है।

अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स और कायस्थ महासभा का संवाद कार्यक्रम

अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स में मिलेंगी इलाज की विश्वस्तरीय सुविधाएं

“जबलपुर के चिकित्सा जगत से अपेक्षाएं” विषय पर वक्ताओं ने रखे विचार

जबलपुर। शहर में अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स का शुभारंभ हो चुका है। समाज के हर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स के द्वारा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी में आज अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स के ऑडिटोरियम में भारतीय कायस्थ महासभा, जबलपुर के साथ “जबलपुर के चिकित्सा जगत से अपेक्षाएं” विषय पर कार्यक्रम में कायस्थ समाज के प्रतिष्ठित बंधुओं तथा युवा तरुणों को बढेरिया ग्लोबल ग्रुप के चेयरमैन श्री सोम बरेडिया ने चित्रगुप्त सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बरेडिया ग्लोबल ग्रुप के चेयरमैन श्री सोम बरेडिया ने जबलपुर के चिकित्सा जगत से अपेक्षाएं” विषय पर अपने विचार रखे और



कार्यस्थ समाज के गणनाय नागरिकों का सम्मान

सारगर्भित उद्बोधन उन्होंने कहा कि अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स जबलपुर के लिए सौभाग्य है अब किसी भी मरीज को इलाज के लिए चेन्नई हैदराबाद और बैंगलोर जैसे महानगरों में नहीं जाना पड़ेगा बल्कि इलाज की विश्वस्तरीय सुविधाएं यहीं जबलपुर ने जेबीपी हॉस्पिटल्स में ही उपलब्ध हैं। इस

मौके पर मुख्य रूप से कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं एपीएन इस्टीमियेशन के डायरेक्टर श्री चमन श्रीवास्तव, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. अखिलेश गुमास्ता, डॉ. राजीव सक्सेना, डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव डॉ. जयंती श्रीवास्तव डॉ. नीना श्रीवास्तव कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, भानु श्रीवास्तव, शंकर श्रीवास्तव, प्रवीण सिन्हा रेनु

श्रीवास्तव, स्मृति सिन्हा युवा जिलाध्यक्ष विवेक खरे, गौरव श्रीवास्तव, एड. अक्षांश श्रीवास्तव, स्वनिल श्रीवास्तव, कपिल खरे, अनुराग श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव, वैशाली श्रीवास्तव, पराग श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, आदि समाज के वरिष्ठ जन, युवा तरुणों एवं मातृ शक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. सुनील मिश्रा ने किया।



कर्मचारियों को डीए एवं एचआरए की राशि का भुगतान होने पर अजाक्स ने किया निगमायुक्त आभार व्यक्त

जबलपुर। अजाक्स संघ के द्वारा निगम में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारियों को डीए एवं एचआरए की राशि प्रदान करने हेतु सौंपे गये ज्ञापन पर निगमायुक्त प्रीति यादव के द्वारा कार्यवाही करते हुये 02/07/2025 को निगम में कार्यरत समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को वेतन में डीए एवं एचआरए की राशि को सम्मिलित कर बड़े हुये वेतन का भुगतान किया गया। निगम में कार्यरत समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को डीए एवं एचआरए की राशि का भुगतान किये जाने पर 02/07/2025 को निगमायुक्त प्रीति यादव का अजाक्स संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यों के द्वारा स्वागत एवं आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर अजाक्स संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा, मन्मूलक पटेल, जगदीश नन्हेट, संतोष गौतम, अचौया कोरी, गुलशन जबलपुरी, नरसिंहमल्लू, मोहम्मद समीम, रामाराव मगरदे, दयाराम धुर्वे, श्रीनिवासलू, कोयरी नायडू, नरसिंह मूर्ति, रामू, जे. प्रवीण, महेन्द्र मलिक, राहुल कोरी सहित संघ के पदाधिकारी, सदस्य एवं अधिक संख्या में अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

चिकित्सा सेवा सर्वोपरि सेवा: महापौर

आनंदम स्वास्थ्य शिविर में एक हजार लोगों की निशुल्क जांच



जबलपुर। जनसेवा के अंतर्गत लोगों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करना सर्वोपरि सेवा है। डॉ. आनंद तिवारी ने आजीवन उदारता पूर्वक अपना चिकित्सकीय कर्तव्य निभाया है। उपरोक्त आशय के विचार महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु ने एकता चौक स्थित सन लाइफ केयर पैथोलॉजी में गुंजन कला सदन, लायंस परिवार जबलपुर, पीएमजी, पाथेय एवं सुप्रभातम द्वारा आयोजित निशुल्क जांच शिविर में व्यक्त किये। डॉ. आनंद तिवारी के 75 वें जन्मोत्सव पर आयोजित आनंदम स्वास्थ्य शिविर में एक हजार से अधिक लोग लाभान्वित हुये। उल्लेखनीय है कि लगभग दो हजार तीन सौ रूपए की महत्वपूर्ण जांचें नगर के पांच केंद्रों चैरीताल, बिलहरी, यादव कॉलोनी, मस्ताना चौक रांझी और एकता चौक, विजयनगर में पैथोलॉजी प्रभागी डॉ. प्रियंका तिवारी एवं हिमांशु तिवारी द्वारा की जा रही है। आज जांच करने वालों की संख्या 1068 रही। डॉ. आनंद तिवारी के 75 वें जन्मोत्सव वर्ष पर इन पांच पैथोलॉजी केंद्रों में विगत 25 मई से प्रति रविवार को विशेष छूट के साथ की जा रही जांचों में भी हजारों लोगों ने लाभ उठाया। आज निशुल्क जांच शिविर में समाजसेवी पुरुषोत्तम तिवारी, नरेन्द्र जैन एनसी, प्रतुल श्रीवास्तव, विजय जायसवाल, लायन नरेन्द्र जैन, राजेश पाठक प्रवीण, लायन आई.एस. राजपूत, लायन यशवंत सिंह सेंगर, प्रदीप जैन, हेमंत अरोरा आदि का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन आलोक पाठक एवं आभार हिमांशु तिवारी ने व्यक्त किया।

जन्म जयंती पर भाजपा कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

जबलपुर।

डॉ. श्यामा मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए प्राणोत्सर्ग कर, राष्ट्रवाद का जो विचार दिया वह सदैव हमारी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा दायक रहेगा, आज उनकी जन्म जयंती पर हम उनके विचारों को आगे बढ़ाने और उसमें सहभागी बनने का संकल्प ले यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने राष्ट्र निष्ठा की अमर प्रेरणा, जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती के अवसर पर संभागीय भाजपा कार्यालय, रानीताल में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कही। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा हम जब अपने महापुरुषों को याद करते हैं तो उसके पीछे कारण होता है कि जिन कारणों से वह महापुरुष बने इस त्याग तपस्या और बलिदान को याद करे और उससे सीखे। सिंह ने कहा आज हम उस विचार के सहयोगी और सहभागी बनने का प्रयास करते तब हम



सही मायने में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि दे पाएंगे और मुझे उम्मीद और विश्वास है जब हम पूरे देश में उनकी जयंती पर आयोजन कर उन्हें याद कर रहे हैं और आज यह संकल्प लेते हैं कि उनके विचारों की पूर्ति में किसी तरह की बाधा नहीं आने देंगे।

देश की अखंडता के लिए आवाज उठाई: वाल्मिकी

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुमित्रा वाल्मिकी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जो अति विद्वान थे

डॉ. मुखर्जी का राष्ट्रवाद पीढ़ियों के लिये प्रेरणादायक : राकेश सिंह

साथ ही प्रखर राष्ट्र भक्त थे उनके राष्ट्र को लेकर समर्पण को ऐसे देख सकते हैं कि जिस उद्देश्य को लेकर हम स्वतंत्रता मिली थी और उस उद्देश्य से भटकी नेहरू सरकार के खिलाफ वह खड़े हुए और पूरे देश में राष्ट्रवाद और देश की अखंडता के लिए आवाज उठाई।

पूर्वजों का इतिहास हमें पता होना चाहिये: दुबे

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सांसद एवं भाजपा प्रदेश मंत्री आशीष दुबे ने कहा हम जिस दल में, जिस संगठन में कार्य कर रहे हैं उसका इतिहास हमें पता होना चाहिए हमारे पूर्वजों के त्याग और बलिदान की जानकारी हमें होना चाहिए और हम अपने पूर्वजों के रूप में जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन से सीखेंगे कि तत्कालीन सरकार में मंत्री होते भी उन्होंने त्याग पत्र देकर जनसंघ को खड़ा किया जो बाद में भारतीय जनता पार्टी के विशाल वट वृक्ष के रूप में आज पल्लवित हो रहा है।

राष्ट्रवाद पर काम कर रही हमारी सरकार: रोहाणी

विधायक अशोक रोहाणी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा हमारा संगठन दो विचारधारा को लेकर अपने स्थापना काल से चला है उसमें एक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्रवाद और पं. दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद है और इन विचारों को लेकर ही हमारी सरकार देश और प्रदेश में कार्य कर रही है। आज डॉ. मुखर्जी के विचारों पर चलने का संकल्प हम उनकी जन्म जयंती पर ले, यही उन्हें श्रद्धांजलि होगी।

वह रहे उपस्थित
इस अवसर पर राज्य सभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मिकी, सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडेय, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु, कैबिनेट मंत्री राजू प्राप्त रविकरण साहू, प्रदेश कार्य सदस्य राममूर्ति मिश्रा, अरविंद पाठक, महामंत्री पंकज दुबे, राजनीश यादव के साथ कार्यकर्ताओं ने सम्मिलित होकर महाजन व्यक्तित्व और कृतित्व का स्मरण किया।

विधायक प्रतिनिधि संजय जैन का किया स्वागत
जबलपुर। अशोक रोहाणी (विधायक केंद्र) द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि संजय जैन (केंद्र विधानसभा छावनी) का स्वागत मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन द्वारा किया गया। डॉ. अजय वाघवानी, एड. आशीष त्रिपाठी, एड. भावना निगम, डॉ. अभिषेक जैन, अजय चौहान द्वारा विधायक अशोक रोहाणी द्वारा नियुक्त संजय जैन का स्वागत किया गया और उनसे वचन लिया कि केंद्र छावनी की प्रगति के लिए वो अधिक से अधिक प्रयास करेंगे।

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 14660918X RANK HA
NAME JENDERA SINGH S/O
SANGRAM SINGH OF UNIT 506,
ARMY BASE WORK SHOP,
JABALPUR (MP) RO VILL.-PINDRE,
PO- PINKIRE, TEH- ALIGANJ, DISTT-
ETAH (UP)-208149 have changed
name of my DAUGHTER from KUMARI
SURTI RATHORE (name as per my
Army service records) to SHRUTI
RATHOR (name as per my
DAUGHTER, AADHAR CARD vide
affidavit dated 04/07/2025 formerly
before Public Notary JABALPUR (MP)
(Name and place of Court).
CORRECT NAME
SHRUTI RATHOR
INCORRECT NAME
KUMARI SURTI RATHORE